Chart of difference between Capital Market and Money Market - In Hindi

मतभेद के बिंदु	पूंजी बाजार	मुद्रा बाजार
प्रतिभागियों	वित्तीय संस्थान, बैंक, सार्वजनिक और निजी कंपनियां, विदेशी निवेशक, खुदरा निवेशक शामिल हैं।	मुद्रा बाजार में केवल वित्तीय संस्थान, बैंक, सार्वजनिक और निजी कंपनियां ही भागीदार हैं। लेकिन इसमें विदेशी और खुदरा निवेशक शामिल नहीं हैं।
पूंजी का प्रकार	यह निश्चित पूंजी आवश्यकताओं से संबंधित है।	यह कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं से संबंधित है।
सुरक्षा	पूंजी बाजार में उपकरण जोखिम भरा है।	प्रतिभूतियों की कम अवधि के कारण मुद्रा बाजार के उपकरण कम जोखिम वाले होते हैं।
लिक्विडिटी	स्टॉक एक्सचेंज के कारण प्रतिभूतियों को कम तरलता माना जाता है।	लेकिन मनी मार्केट में प्रतिभूतियों में अधिक तरलता होती है।
उपकरण	शेयर, डिबेंचर, वरीयता शेयर बांड और अन्य प्रतिभूतियां पूंजी बाजार के उपकरण हैं।	ट्रेजरी बिल, ट्रेड बिल आदि मनी मार्केट के मुख्य साधन हैं।
अपेक्षित आय	ब्याज और लाभांश के नियमित भुगतान के साथ अपेक्षित रिटर्न अधिक है।	उपकरणों की छोटी अवधि की अवधि के कारण अपेक्षित प्रतिफल कम है।